सर्वस्य चाहं हृदि		15	15
सर्वाणीन्द्रियकर्माणि		4	27
सर्वेन्द्रियगुणाभासम्		13	14
सहजं कर्म कौन्तेय		18	48
सहयज्ञा: प्रजा: सृष्ट्वा		3	10
सहस्त्रयुगपर्यन्तम्		8	17
संकरो नरकायैव		1	42
संकल्पप्रभवान्कामान्		6	24
संतुष्ट: सततं योगी		12	14
संनियम्येन्द्रियग्रामम्		12	4
संन्यासं कर्मणां कृष्ण		5	1
संन्यासस्तु महाबाहो		5	6
संन्यासस्य महाबाहो		18	1
संन्यास: कर्मयोगश्च		5	2
साधिभूताधिदैवं माम्		7	30
सांख्ययोगौ पृथग्बाला:		5	4
सिद्धिं प्राप्तो यथा ब्रह्म		18	50
सुखदु:खे समे कृत्वा		2	38
सुखमात्यन्तिकं यत्तत्		6	21
सुखं त्विदानीं त्रिविधम्		18	36
सुदुर्दर्शमिदं रूपम्		11	52